

**डॉ. इलेन फिलिप्स, बाइबिल अध्ययन का परिचय,
सत्र 3, मध्य पूर्व का भूगोल
© 2024 इलेन फिलिप्स और टेड हिल्डेब्रांट**

यह बाइबिल अध्ययन के परिचय पर अपने शिक्षण में डॉ. एलेन फिलिप्स हैं। यह सत्र 3 है, मध्य पूर्व का भूगोल।

बाइबिल भूगोल पर श्रृंखला में यह हमारा तीसरा व्याख्यान है।

अब तक, हमने ऐतिहासिक भूगोल, परिचय और उसमें योगदान देने वाले स्रोतों का अध्ययन किया है। हमने पुरातत्व पर विशेष रूप से समर्पित एक व्याख्यान भी दिया है। तो अब हम मध्य पूर्व के भूगोल की ओर बढ़ रहे हैं।

जैसा कि हम ऐसा करते हैं, हम पिछले दो व्याख्यानों में से कुछ धागों को एक साथ लाने के लिए थोड़ी सी समीक्षा करने जा रहे हैं, और फिर हम एक सिंहावलोकन में आगे बढ़ेंगे कि हम कहाँ जा रहे हैं। इसलिए, यदि आपने पहले दो व्याख्यानों को देखा है तो यह मानचित्र आपको पहले से ही परिचित लगता है। यहां, समीक्षा के माध्यम से, हम केवल बड़ी भूमि संरचनाओं का अंदाजा लगाना चाहते हैं।

हमने अपने पहले व्याख्यान में उन्हें पावर सर्कल कहा था। हमने यहीं मेसोपोटामिया के बारे में बात की, टाइग्रिस और यूफ्रेट्स नदियों के बीच की भूमि। हमने अराम या सीरिया, जिसे सीरिया भी कहा जाता है, के महत्व के बारे में बात की, जो पश्चिम की ओर जाने वाले या मिस्र की ओर दक्षिण की ओर जाने वाले यातायात के लिए एक बफर जोन है।

हमने मिस्र के बारे में और वहां की सांस्कृतिक निरंतरता के महत्व के बारे में बात की। हम इस श्रृंखला में बाद में मिस्र का दोबारा दौरा करेंगे, लेकिन अभी, ध्यान दें कि यह नील नदी द्वारा परिभाषित है। हमने यहां अनातोलिया, आधुनिक तुर्की के बारे में बात की, और इस तथ्य के बारे में, विशेष रूप से नए नियम में हमारे अंतर-विधान काल में, जिसे हम अब यूरोप के रूप में सोचते हैं, वह हमारा गलियारा होगा।

फिर, हमने इस तथ्य का उल्लेख किया कि हमारे यहां रेगिस्तान हैं, अरब रेगिस्तान और सिनाई प्रायद्वीप भी, जो जाहिर तौर पर छोटा है, लेकिन फिर भी एक रेगिस्तान और एक बाधा है। हमने भूमध्य सागर के बारे में बात की, और उन दोनों को यह इंगित करने के लिए रंग-कोडित किया गया है कि वे यहीं से हमारी भूमि के माध्यम से जाने के लिए यात्रा को स्थानांतरित करने में बाधाएं हैं। तो यह हमारी भू-राजनीतिक इकाई और यहीं स्थित क्षेत्र में भूमि पुल था, जो हमले और विदेशी प्रभाव के प्रति संवेदनशील था, लेकिन साथ ही, जैसा कि हमने कहा था, एक मंच बनने में सक्षम था जहां से संदेश बाहर जा सकते थे।

19वीं सदी के एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक भूगोलवेत्ता जॉर्ज एडम स्मिथ ने इस क्षेत्र को, जिसे हम बीच की भूमि कह रहे हैं, विश्व शक्ति का भंवर कहा है। और आपमें से जो लोग समकालीन इतिहास और विकास का अनुसरण करते हैं, उनके लिए यह आज भी बिल्कुल सच है। फिर भी

अनुस्मारक के संदर्भ में, हमने विश्वास की परीक्षण भूमि शब्द का उपयोग किया है, और हम व्यवस्थाविवरण 11 पढ़ते हैं, वे विशेष छंद जो वहां उल्लेखित हैं।

हमने भू-राजनीतिक घटनाक्रमों का उल्लेख किया है, जो कि हमने पिछले मानचित्र पर नोट किया है। हमने मौसम के मिजाज के बारे में बात की और यह कैसे भगवान के आशीर्वाद या जहां वे रहते हैं उसका उपयोग अपने लोगों से निपटने के लिए करते हैं। इस तथ्य के बारे में बात की कि बरसात का मौसम, सर्दी, और शुष्क मौसम, गर्मी है।

हमने बारिश और ओस के संदर्भ में समुद्र, रेगिस्तान और पहाड़ों के प्रभावों के बारे में बात की। हमने इस तथ्य के बारे में बात की कि भूमध्य सागर के पूर्वी तट के साथ यह क्षेत्र वास्तव में उपजाऊ वर्धमान का किनारा है। और फिर हमने परमेश्वर के वादों का उल्लेख किया, दोनों लैव्यव्यवस्था 26 में व्यक्त किए गए हैं, साथ ही व्यवस्थाविवरण 27 और 28 से आगे भी।

हमने बताया कि दूध और शहद की धारा बहने वाली भूमि का क्या मतलब हो सकता है। हमने फसलों, अनाज, नई शराब और तेल के त्रय का भी उल्लेख किया है, जिन्हें उसी क्रम में बार-बार नोट किया जाता है क्योंकि यही वह क्रम है जिसमें उन्हें भूमि में काटा जाता है। मुझे लगता है कि इस समय हम कुछ हद तक छोटे व्याख्यान में जा रहे हैं।

हम समय और स्थान के साथ भूवैज्ञानिक गतिविधि के बारे में बात करते हुए बस थोड़ा सा समय, बस थोड़ा सा समय बिताना चाहते हैं। और मेरा मतलब है समय की लंबी, लंबी अवधि। और मैं हमारे पूरे पूर्वी भूमध्यसागरीय बेसिन के साथ-साथ इसे घेरने वाले महाद्वीपों के बारे में भी बात कर रहा हूँ।

तो हम बस उस पर थोड़ा सा नजर डालने जा रहे हैं क्योंकि यह वास्तव में इज़राइल के अंतर्निहित भूविज्ञान और भूवैज्ञानिक नींव के संदर्भ में महत्वपूर्ण है जैसा कि हम आज जानते हैं। तो यह उन जगहों में से एक है जहां से शुरुआत करते समय हम वास्तव में थोड़ा समय बिताना चाहते हैं। जैसा कि मैंने कुछ समय पहले सुझाव दिया था, लाखों वर्षों में हुए उन भूवैज्ञानिक बदलावों का प्रभाव इज़राइल की भूमि के भूविज्ञान पर पड़ता है।

और यह न केवल स्थलाकृति, पहाड़ों, घाटियों आदि को प्रभावित करने वाला है, बल्कि यह मिट्टी के प्रकार, जल स्रोतों आदि को भी प्रभावित करने वाला है। तो यह बहुत महत्वपूर्ण चीज़ होने जा रही है, भले ही समय-समय पर यह थोड़ा अटपटा लग सकता है। यह हमें कई मानचित्रों पर नज़र डालने के लिए प्रेरित करेगा जो स्थलाकृति से संबंधित हैं और देश के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों पर भी हमारा ध्यान केंद्रित करना शुरू करेंगे।

तो हम इसी दिशा में जा रहे हैं। सबसे पहले, जैसा कि हम पूरे विश्व के बारे में सोचते हैं जिसमें हमें रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, वहाँ महाद्वीप हैं, और वे स्थानांतरित होने वाली सामग्री की प्लेटों से बने हैं। तो, हम जिस क्षेत्र के बारे में बात कर रहे हैं, उसमें एक अफ्रीकी भूमध्यसागरीय प्लेट और एक अरब प्लेट है, और वे वास्तव में अलग-अलग दिशाओं में आगे बढ़ रहे हैं।

यह क्या करता है, और वैसे, मुझे पता है कि मैं इस बिंदु पर बहुत अधिक सरलीकरण कर रहा हूँ, लेकिन हमारे लिए इसके निहितार्थ समझने के लिए यह पर्याप्त है। जैसे-जैसे ये प्लेटें चलती रहती हैं, और वे चलती रहती हैं, हमें जो कहना चाहिए वह होता है: टूटना, टूटना, दरकना और परत में खराबी, जो वहां की चट्टानी प्लेट है। विशेष रूप से इज़राइल में जो कुछ होता है उसके संदर्भ में वे दरारें और दोष वास्तव में महत्वपूर्ण होने जा रहे हैं। बेशक, इसका सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण ग्रेट रिफ्ट वैली है।

हम थोड़ी देर में उस पर वापस आने वाले हैं, लेकिन हमारे पास बहुत सारे छोटे-छोटे हैं जो घाटियों और अन्य प्रकार की दोषपूर्ण संरचनाओं में योगदान करते हैं। अतीत में किसी समय, इस क्षेत्र पर एक छोटा सा नक्शा सामने आया था जिसे अब हम इज़राइल की भूमि के रूप में सोचते हैं। इसे टेथिस सागर कहा जाता है, कभी-कभी इसे टेथिस महासागर भी कहा जाता है, लेकिन जब आपके पास एक क्षेत्र के ऊपर पानी होता है, तो इसका मतलब है कि आपके पास जीवित जीव हैं; वे ऊपर उठते हैं और मर जाते हैं, वे नीचे तक डूब जाते हैं, वे कैल्शियम से बने होते हैं, और इसलिए आपके पास उस प्रकार का घटक होगा जो तल पर तलछटी चट्टान बन जाएगा।

जैसे-जैसे यह समुद्र या सागर आगे-पीछे होता है, प्लेटों का खिसकना इत्यादि, तटरेखा में उतार-चढ़ाव होता है, और ऐसे समय में समय आएगा जब मिट्टी का प्रकार, या मुझे कहना चाहिए कि चट्टान का प्रकार होगा। तलछटी चट्टानें उतनी अधिक चूना पत्थर कैल्शियम आधारित नहीं हैं जितनी कि वे बलुआ पत्थर आधारित होने जा रही हैं। इसलिए जब हम भूविज्ञान के बारे में बात करते हैं तो इन बातों को ध्यान में रखें। यहाँ बस एक छोटा सा चित्र है।

इसे मध्य इओसीन काल कहा जाता है। डेटिंग के बारे में बिल्कुल भी चिंता न करें, लेकिन जो मैं आपको दिखाना चाहता हूँ वह यह है कि अब हमारे लिए महत्वपूर्ण बात यह है कि हम उन महाद्वीपों को देखते हैं जिन्हें हम पहचानते हैं, है ना? तो इसका मतलब है कि हमारे पास पहचानने योग्य महाद्वीपों को देखने के लिए पर्याप्त बदलाव हैं, लेकिन जिस क्षेत्र को हम इस विशेष समय सीमा में पूर्वी भूमध्य सागर के रूप में जानते हैं, मध्य इओसीन, जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं, वह टेथिस सागर के पानी के नीचे है। प्लेटों के ये हिस्से उस दिशा में अधिक तैरेंगे।

यह उत्थान करने जा रहा है और यह अंततः भूमि होगी, लेकिन हमें यह समझाने की कोशिश की जा रही है कि यह अभी एक भूमि है, लेकिन यह पानी के नीचे थी, और इसलिए आपके पास वे सभी चीजें होंगी जो इसका हिस्सा हैं निक्षेपों का भूवैज्ञानिक समूह जो जल का परिणाम है। इसलिए, हमें जो मिला है उसका एक त्वरित थंबनेल स्केच यहां दिया गया है। हमें एक आग्नेय आधार मिला है, इसका मतलब ग्रेनाइट जैसी चीजें हैं, है ना? माफ़ करें।

इसके अलावा, एक बार जब आपको उस आग्नेय आधार पर पानी मिल जाएगा, तो हम देखेंगे कि वह कहाँ स्थित है। उदाहरण के लिए, हमारे सिनाई प्रायद्वीप के संदर्भ में, जहां हम वास्तव में इसे अब देखते हैं, और फिर वहां से उत्तर की ओर तलछटी जमाव के नीचे, लेकिन हमारे आग्नेय आधार में तलछटी जमाव है जब यह क्षेत्र पानी के नीचे था, और फिर उन सभी जमावों के बाद, हम' मैं एक पल में उन पर दोबारा गौर करने जा रहा हूँ। यह सिर्फ एक सामान्य बयान है।

इससे पता चलता है कि प्लेटों आदि का यह पूरा सेट सक्रिय मैग्मा पर तैर रहा है, और ऐसे स्थान और समय होते हैं जब ज्वालामुखी विस्फोट होते हैं। हम आज उन्हें दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जानते हैं, लेकिन वे निश्चित रूप से उनके पास थे क्योंकि उन्होंने इज़राइल के कुछ हिस्सों को भी प्रभावित किया था, और इसलिए जब आपके पास विस्फोट होता है, खासकर देश के उत्तरी और पूर्वोत्तर हिस्से में, वह क्षेत्र जिसे अब हम जानते हैं गोलान हाइट्स, वे जा रहे हैं, वे ज्वालामुखी, बेसाल्ट, लावा उगलते हैं, जो चट्टान के प्रकार का बेसाल्ट बन जाता है। तो बस आसानी से और सरलता से, नीचे आग्रेय है, इसके बाद लाखों वर्षों में विभिन्न प्रकार के तलछटी जमाव का समूह है, और फिर उसके ऊपर, एक ज्वालामुखीय आवरण, और यह सब इस क्षेत्र में होने जा रहा है जिसे हम करने जा रहे हैं यहीं पर ध्यान केंद्रित करें।

मैंने कुछ समय पहले रिफ्ट वैली का उल्लेख किया था, और फिर, जब हम इज़राइल की भूमि के संदर्भ में रिफ्ट वैली के बारे में सोचते हैं, तो हम आम तौर पर मृत सागर के बारे में सोचते हैं, हम जॉर्डन नदी के बारे में सोचते हैं, हम गलील सागर के बारे में सोचते हैं, और यहाँ के बारे में सब ठीक है, लेकिन जैसा कि आप इसे ऊपर की ओर जाते हुए देखते हैं, इस मानचित्र के शीर्ष से काफी आगे, लाल सागर में, एक और दिशा उस दिशा में जा रही है, केन्या की ओर, जहाँ आप में से कुछ लोग संस्था नामक संस्था को जानते होंगे रिफ्ट वैली अकादमी। यह पृथ्वी में एक विशाल, विशाल भूवैज्ञानिक दरार है, और यह सवारी कर रही है, या यह उन दो प्लेटों के बीच है, जो आगे और पीछे खिसक रही हैं। इसलिए हम केवल इस तथ्य पर ध्यान देना चाहते हैं कि जब हम यहां अपने छोटे से क्षेत्र में दरार के साक्ष्य देखते हैं तो हम जो अध्ययन कर रहे हैं वह किसी बहुत बड़ी चीज का एक छोटा, छोटा सा अंश है, और यह इन विभिन्न प्लेटों के इस आंदोलन का प्रमाण है, इस तरफ भूमध्यसागरीय अफ्रीकी प्लेट, इस तरफ अरब प्लेट।

अब, मैं इसके माध्यम से चलने जा रहा हूँ, मुझे आशा है, यथासंभव व्यवस्थित रूप से, क्योंकि अब हमारा उद्देश्य यह पता लगाना है कि भूविज्ञान स्थलाकृति को कैसे प्रभावित करता है और यह हमारे लिए क्यों महत्वपूर्ण है। तो आइए देखें कि क्या हम इसका कुछ मतलब निकाल सकते हैं। मुझे वह अनुभाग हमारे बॉक्स में मिल गया है, क्योंकि वे मुख्य रूप से चट्टान के प्रकार हैं जो भगवान के लोगों के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे उस क्षेत्र में रह रहे हैं।

हम पहले ही इस बारे में बात कर चुके हैं कि भू-राजनीतिक, मौसम के लिहाज से, सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से भूमि का होना कितना महत्वपूर्ण है, और अब हम वास्तव में इस बारे में बात करने जा रहे हैं कि वह भूमि रहने के स्थान के रूप में क्यों महत्वपूर्ण है जैसा कि आकार दिया गया है। हमारा भूविज्ञान, भूगोल और स्थलाकृति। तो चलिए नीचे से शुरू करते हैं क्योंकि आप यहां मेरी छोटी सी लाल चीज़ देखेंगे। इसमें कहा गया है कि हालिया जमा, सबसे हालिया चट्टानी तलछट जमा, शीर्ष पर होने जा रहे हैं।

तो यहाँ नीचे है, आग्रेय जिसका मैंने पहले ही उल्लेख किया है। दक्षिणी सिनाई में हमारे ऊँचे पहाड़ों में हमारा सामना ऊँचे ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों से होता है। जब हम सिनाई प्रायद्वीप का अध्ययन करते हैं, तो हम इसे देखने जा रहे हैं, लेकिन यह उस अधिकांश को प्रभावित नहीं करता है जहां इज़राइल को भगवान द्वारा वादा किए गए देश में लाने के बाद बसाया गया था।

हम इसे केवल इस संदर्भ में देखेंगे कि परमेश्वर अपने लोगों को सिनाई में वाचा के लिए कहाँ लेकर आया था। इसके अलावा, एक बार जब आपके पास यह समुद्री तट और उतार-चढ़ाव वाला समुद्री तट होना शुरू हो जाता है, तो वहाँ रेत और रेत का भंडार होगा, खासकर जब समुद्र में उतार-चढ़ाव होता था और वहाँ एक तटरेखा होती थी। तो हम रेत के भंडार, हजारों फीट रेत के भंडार देखने जा रहे हैं।

आप में से उन लोगों के लिए जिन्होंने पेट्रा या नेशनल ज्योग्राफिक पर या दक्षिणी ट्रांसजॉर्डन के महान लाल शहर में कुछ भी देखा है, यह बलुआ पत्थर है जिसमें सबसे खूबसूरत रंग हैं: बैंगनी, लाल, सोना, आदि। लेकिन फिर, यह हमारी बहुत रुचि नहीं है चूँकि हम उस स्थान का अध्ययन कर रहे हैं जहाँ भगवान ने अपने लोगों को उनकी विरासत दी थी। हमारी रुचि अब सेनोमेनियन नामक भूवैज्ञानिक काल के दौरान जमा हुई कठोर चूना पत्थर की परत में होने जा रही है, लेकिन इसके बारे में चिंता न करें।

और वैसे, यह बहुत सरल है. कठोर चूना पत्थर विभिन्न प्रकार के होते हैं। विभिन्न प्रकार की चाक परतें और विभिन्न प्रकार के नरम चूना पत्थर हैं।

अभी मैंने उन्हें तीन बुनियादी प्रकारों में सरलीकृत किया है। आपके पास क्या है, मेरे पास अभी तक इसका कोई आरेख नहीं है, लेकिन मैं बस इतना चाहता हूँ कि यदि आप कर सकें तो आप मेरे साथ सोचें। आपके पास क्या है जब आपके पास ये सपाट परतें हैं जो एक-दूसरे पर चढ़ रही हैं, हां, तब आपके पास वह सारी गतिविधि है जो चल रही है, भूकंपीय गतिविधि, आकार देना, गलती करना, स्थानांतरण।

और वह निर्माण करने जा रहा है, सबसे पहले, यह यहीं जमाव, तलछट जमाव है। एक बार जब आंदोलन होना शुरू हो जाता है, तो आप इन चीज़ों में बदलाव देखेंगे। हम यहां बस एक एंटीलाइन कर रहे हैं।

वह एक प्रकार का पर्वत बन जाता है। यहाँ हमारी सबसे निचली परत है. क्या इसका कोई मतलब है? यह हमारी सबसे निचली परत है.

लेकिन समय के साथ, जैसे-जैसे चीज़ें नष्ट होती जा रही हैं, मान लीजिए कि हमारे यहां और यहां हाल की चीज़ें नष्ट हो रही हैं, और देखिए, भले ही यह पुरानी चीज़ें हैं, अब यह वही होने जा रहा है जो दिखाई दे रहा है। क्योंकि हमारा सामान नरम है, नोटिस चाक, मुलायम। नरम चूना पत्थर, मुलायम.

हाल ही में जमा हुआ, लेकिन वास्तव में, यह नष्ट हो गया है। और हमारे चूना पत्थर के संदर्भ में हमारा सर्वोच्च पदार्थ, चूना पत्थर भंडारों की श्रृंखला, वास्तव में कठोर चूना पत्थर होने जा रही है। यह पुरानी चीज़ है, लेकिन यह लंबे समय तक चली है, कटाव का कहर।

मैं उम्मीद कर रहा हूँ कि यह समझ में आएगा क्योंकि इससे हमें बहुत मदद मिलेगी। जैसा कि मैंने कहा, मेरे पास एक आरेख आगामी है। लेकिन कम से कम इस बिंदु पर, शायद यह हमें यह समझने में मदद करेगा कि ऐसा क्यों है कि हम खड़ी वी-आकार की घाटियाँ भी देख रहे हैं।

ऐसा इसलिए है क्योंकि उनकी ऊपरी परतें नष्ट हो गई हैं। तो, वादा की गई भूमि के मुख्य भाग के संदर्भ में, हमारा पहाड़ी देश एक पहाड़ी देश है। यहीं हमारा उच्च सामान है।

हमें खड़ी वी-आकार की घाटियाँ मिली हैं। हमारे पास, इस चूना पत्थर में, एक बहुत ही दिलचस्प घटना है। यह प्राकृतिक छतरी में टूट जाता है।

तो यह एक ऐसी जगह है जहां आप खेती कर सकते हैं। यह एक ऐसी जगह है जहां मिट्टी एक तरह से ऊपर उठती है, और फिर वहां रहने वाले लोग अच्छी तरह से खेती करके छतों को विकसित करते हैं। यह चूना पत्थर है।

इसमें बहुत सारे झरने हैं। चूना पत्थर में सभी प्रकार की भूमिगत दरारें और कास्टिक संरचनाएं होती हैं, इसलिए यह पानी सोखता है। आपमें से जो लोग इस देश के कुछ हिस्सों में रहते हैं, उदाहरण के लिए, मिसौरी, जहां बहुत सारा चूना पत्थर है, गुफाओं के बारे में जानते हैं।

इजराइल में भी बहुत सारी गुफाएं हैं। इसलिए यह बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है। वी-आकार की घाटियाँ, झरने, और फिर जब इस प्रकार के चूना पत्थर का क्षरण होता है, तो आपको वास्तव में उपजाऊ मिट्टी मिलती है।

इसे टेरा रोजा कहा जाता है। यानी लाल धरती। यह इस तथ्य को संदर्भित करता है कि इसमें पर्याप्त लोहे के घटक बने हुए हैं जिससे इसमें गुलाबी-लाल रंग का आभास होता है।

विकास में योगदान देने की दृष्टि से भी यह बहुत उपजाऊ है। हमारे भूविज्ञान और यहां के भूवैज्ञानिक स्तंभ के हमारे इतिहास के संदर्भ में, जैसा कि हमने देखा, उस चूना पत्थर के ऊपर, आपको चाक की एक परत मिलेगी। एक बार यह सामान उजागर हो गया, तो यह वास्तव में बहुत तेजी से नष्ट हो जाएगा।

ध्यान रखने योग्य एक शब्द है मार्ल। हम इसे देखने जा रहे हैं, खासकर जब हम मृत सागर क्षेत्र और मृत सागर स्क्रॉल के क्षेत्र को देखते हैं। बेजान मिट्टी और चाक।

तो उस पर टिके रहो। उसके ऊपर, एक नरम प्रकार का चूना पत्थर होगा। यह इयोसीन काल की बात है।

आपको वह वैश्विक चीज़ याद होगी जो हमारे पास थी। वह मध्य इओसीन था। तभी यह नरम चूना पत्थर जमा हुआ था।

इसके शीर्ष पर एक प्रकार की कठोर कैल्शियम परत होती है। इसे नारी कहा जाता है। यह परत यहीं है।

लेकिन क्योंकि यह एक अलग प्रकार का चूना पत्थर है, क्योंकि इसमें से चीजें बहुत तेजी से छनती हैं, इसलिए आपके पास वहां बहुत सारे झरने नहीं हैं। आपको अपने जल स्रोत के रूप में हौजों से निपटना होगा। जब हम इस प्रकार की भूवैज्ञानिक सामग्री को तटरेखा के करीब पाते हैं जैसा कि हम अब जानते हैं, तो हमारे पास केरकर नामक कुछ चीज़ होती है।

कभी-कभी, इसे कुरकर के साथ लिखा जाता है, लेकिन यहां, यह घन है और एक भी नहीं। और यह तट के पास चूना पत्थर के कैल्सीफाइड बलुआ पत्थर संयोजन संरचनाओं का मिश्रण है। और फिर, यह मुख्य रूप से प्राकृतिक घटक हैं क्योंकि वे समय के साथ ढेर हो गए हैं, समय-समय पर उनमें से फूटते रहते हैं, केवल देश के पूर्वोत्तर हिस्से में।

इसलिए हम हर चीज पर बेसाल्ट नहीं देखेंगे, लेकिन देश के उत्तरपूर्वी हिस्से में, जहां हमारे पास ज्वालामुखीय शंकु हैं, जैसा कि आप अभी गोलान हाइट्स के बारे में सोचते हैं, वहां ज्वालामुखीय शंकु हैं। उन्होंने लावा उगला है, और इसलिए आपको अपेक्षाकृत समतल भूभाग मिला है क्योंकि जब लावा नीचे की ओर बहता है, तो यह एक समतल भूभाग बनाता है। संक्षेप में, हम जिन परतों के बारे में बात करने जा रहे हैं और कृषि के संदर्भ में कुछ अधिक महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं, बिल्कुल स्पष्ट रूप से, और लोग वहां रह सकते हैं या नहीं।

आइए अब इसे मानचित्र के संदर्भ में देखें। और फिर, हम यह देखने जा रहे हैं कि क्या हम कुछ रंग कोडिंग का उपयोग करके इसे समझ सकते हैं। यह इज़राइल द्वारा जारी किया गया एक मानक भूवैज्ञानिक मानचित्र है।

इसलिए यदि आप उस पर गौर करें, तो आप देखेंगे कि इस क्षेत्र का अधिकांश भाग, जो मृत सागर, जॉर्डन घाटी के ठीक पश्चिम में है, हरा-भरा होने वाला है। इसका अधिकांश भाग हरा है। तो, आइए हमारे कोड को देखें।

हरा हमारा कठोर चूना पत्थर बनने जा रहा है। ग्रीन में वे क्षमताएं होंगी जिनके बारे में हमने अभी बात की है। इसमें झरने होने वाले हैं।

इसकी मिट्टी उत्कृष्ट होगी। इसमें खड़ी वी-आकार की घाटियाँ होंगी। रहने के लिए बढ़िया जगह. सुरक्षित. अधिक पृथक. और यह उच्चतर है.

यह इस घटना के कारण उच्चतर है, जिसे मैंने आपके लिए बहुत ही प्रारंभिक चित्र में चित्रित किया है। तो यह हमारा रिज है। जब हमने पहले व्याख्यान में मौसम के पैटर्न के बारे में बात की थी, तो हमने हवा में उड़ने वाले बादलों, समुद्र से चलने वाली हवाओं, पर्वत श्रृंखला के ऊपर उठने के बारे में बात की थी।

यहीं पर्वत श्रृंखला है, और यह पूरी रीढ़ को संचालित करती है। अब उसके ऊपर, बारिश की छाया को छोड़कर, ज्यादातर नष्ट हो गया है, हमारे पास चाक है। तो हल्का हरा हमारा चाक है।

बस खुद को याद दिलाने के लिए, जब बारिश पश्चिम से आती है, तो वे बढ़ रही होती हैं। बादल उमड़ आते हैं. वे यहां इन ढलानों पर जमा होते हैं।

इस वर्षा छाया क्षेत्र में मात्र दो से चार इंच बारिश हुई है। जब आपके पास बहुत अधिक बारिश नहीं होती है, तो कटाव इतना गंभीर नहीं होता है, और इसलिए, यह यहां मुख्य रूप से चाक एक्सपोजर होगा। जो चीजें सुनहरी हैं, उनमें से कुछ हम यहां नीचे देखते हैं।

हम यहां कुछ देखते हैं। यह माउंट कार्मेल रेंज है, जो आगे और पीछे बारी-बारी से चलती रहती है, और फिर हम इस क्षेत्र में कुछ देखते हैं। वह हमारा नरम चूना पत्थर है।

यह सब अचानक एक अलग दिशा क्यों ले रहा है? खैर, यह आंशिक रूप से उस दोषपूर्ण, स्थानांतरण प्रक्रिया के कारण है जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं। क्योंकि फिर से, हम दरार के ठीक बगल में हैं, और इसलिए हमें एक भूमध्यसागरीय प्लेट मिली है। हमें एक अरबी थाली मिली है।

यह उत्तर की ओर बढ़ रहा है। यह दक्षिण की ओर बढ़ रहा है। तो कुछ ऑफसेट है, और स्पष्ट रूप से, अन्य सभी आंदोलनों के साथ, हमने इस क्षेत्र में भी कुछ दिलचस्प विकास किया है।

और फिर, यह ध्यान में रखते हुए कि ये सभी बदलाव विरोधाभास पैदा कर रहे हैं। वह है उत्थान, सिकलाइन, घाटियाँ, और फिर उसके ऊपर कुछ क्षरण। अतः इस मानचित्र पर कोई बलुआ पत्थर नहीं है।

यह मुख्य रूप से यहीं नीचे होगा, लेकिन हमारे पास यह शानदार मैजेंटा रंग यहां ऊपर है। वह बेसाल्ट का प्रतिनिधित्व कर रहा है। ज्वालामुखीय शंकु कहाँ हैं? खैर, वे इस क्षेत्र में सही हैं।

उनमें से कुछ गोलान हाइट्स क्षेत्र में हैं जो अभी इज़राइल द्वारा नियंत्रित है। वे हमें बताते हैं कि इज़रायली सेना के पास उन ज्वालामुखीय शंकुओं में छिपे हुए ऐसे उपकरण हैं जिनके बारे में आप दमिश्क में एक समाचार पत्र पढ़ सकते हैं। लेकिन यह एक महान रक्षात्मक क्षेत्र है।

कुछ शंकु सीरिया में हैं, ठीक वहीं पर। मिट्टी भी महत्वपूर्ण हैं। इसलिए हमें मिट्टी के बारे में थोड़ी बात करने की ज़रूरत है।

आप यहां भूरे भूरे रंग में कुछ देख रहे हैं। आप कुछ ऐसी चीजें देख रहे हैं जो वस्तुतः लाखों वर्षों में रिफ्ट घाटी में बहकर नष्ट हो गई हैं।

मिट्टी के लिए हम केवल दो नाम बताना चाहते हैं . पहला शब्द, हममें से अधिकांश लोग, कम उच्चारित करते हैं। हालाँकि मेरे लोग जो इस पर अधिकार रखते हैं, मुझसे कहते हैं कि यह वास्तव में बहुत कम है। यदि आप इसे ठीक से कहना चाहते हैं, तो बस इसे थोड़ा ढीलापन दें, ध्वनि दें।

वह हवा में उड़ने वाली मिट्टी है। तो क्या आपको हमारा हम्मिन याद है जब हमने गर्म रेगिस्तानी हवा के बारे में बात की थी और मैंने आपको यरूशलेम की एक तस्वीर दिखाई थी जो हवा में पूरी

तरह से धूल की छाया में थी? वह हवा में उड़कर रेगिस्तान से लाई जा रही मिट्टी है। वह ढीली मिट्टी है जो गलत दिशा में आ गई है।

जलोढ़ मिट्टी का मतलब है कि यह पानी से धुली हुई है। और इसलिए, इस क्षेत्र में इनमें से अधिकांश मिट्टी बारिश के पानी से नष्ट हो गई है और यह लाखों वर्षों से फिर से बह रही है, जिससे मिट्टी का अच्छा संयोजन बन रहा है। यही हमारी बुनियादी भूवैज्ञानिक संरचना है।

और मुझे आशा है कि आपको यह समझ में आने लगा होगा कि यहीं रहना इतना महत्वपूर्ण क्यों होगा। अगली चीज़ जो हम करने जा रहे हैं वह इन दोनों को एक-दूसरे के बगल में रखें और देखें कि स्थलाकृति के बारे में कैसे सोचा जाए क्योंकि यह मानचित्र ऊंचाई के अंतर को प्रतिबिंबित करने का प्रयास कर रहा है। हां, वास्तव में, यह बहुत व्यापक ब्रश शब्दों में किया गया है, लेकिन आप यहां एक समतल तटीय मैदानी क्षेत्र देख रहे हैं।

आप यहीं इस पर्वतीय रीढ़ को देख रहे हैं। मुझे एहसास हुआ कि जब हम यहां पहाड़ शब्द का उपयोग करते हैं तो कोलोराडो के लोग भयभीत हो जाते हैं। वास्तव में यह पहाड़ियाँ हैं।

हिब्रू शब्द हार का अर्थ पहाड़ी और पहाड़ दोनों हो सकता है। लेकिन हमारे उद्देश्यों के लिए, हम देख रहे हैं कि यह मुख्य रूप से उत्तर और दक्षिण की ओर चल रहा है, और जैसा कि हम पहले ही कह चुके हैं, यह हमारे कठोर चूना पत्थर के अनुरूप है। कठोर चूना पत्थर क्षरण के प्रति लचीला है, और इसलिए, अब, मैं खुद को दोहराता हूं, भले ही पहले जमा किया गया हो, कि इसे ऊंचा छोड़ दिया गया है।

यहां हमें जंगल में, बारिश की छाया में, चाक के साथ जो कुछ भी मिला है, वह मिला है। हम इस बारे में इतनी चिंता नहीं करेंगे कि यहाँ क्या हो रहा है क्योंकि यह हमारी यिज्जेल घाटी है। हम उस पर थोड़ी देर बाद हमला करेंगे।

लेकिन ध्यान दें, जब हम गलील में पहुँचते हैं, ठीक इस क्षेत्र में, हम फिर से बहुत ऊबड़-खाबड़, अलग-थलग, कठोर चूना पत्थर और रहने के लिए एक अच्छी जगह के बारे में बात कर रहे होते हैं। जब हम ज्वालामुखीय बेसाल्ट के बारे में बात कर रहे हैं, तो यह दिलचस्प है कि यह सिर्फ वहाँ नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह यहीं रिफ्ट घाटी के पार बहती थी और फिर वास्तव में उन सक्रिय ज्वालामुखीय सहस्राब्दियों के दौरान इस क्षेत्र में अपना रास्ता बनाती थी जिसे हम पूर्वी गलील के रूप में सोचते हैं।

ठीक है, उन मानचित्रों की व्याख्या करने के लिए इतना ही काफी है। आइए अब उन क्षेत्रों के नाम बताएं जो उन मानचित्रों या उस मानचित्र के साथ चलते हैं, विशेष रूप से हमारे भूवैज्ञानिक मानचित्र के साथ। और फिर, यहां मुद्दा यह समझना है कि कौन कहां रहता है और ये क्षेत्र एक-दूसरे से कैसे संबंधित हैं और प्रत्येक क्षेत्र महत्वपूर्ण क्यों है।

अवलोकन दृष्टिकोण. जब हम क्षेत्रीय अध्ययनों से निपटते हैं, तो हम विशिष्टताओं पर अधिक ध्यान देंगे। लेकिन हमारे उद्देश्यों के लिए, यहां हमारे तटीय मैदानी क्षेत्र हैं, मुख्य रूप से जलोढ़ मिट्टी।

यदि आप प्राचीन काल के इस क्षेत्र के बारे में सोचते हैं, तो सोचें कि यह न केवल अच्छी मिट्टी है बल्कि मुख्य रूप से दलदली है। लगभग तीन मिनट बाद डायल करें जब मैंने किर्ककर नामक चीज़ के बारे में बात की। यह कैल्सीफाइड बलुआ पत्थर था।

यह वह चीज़ है जो वर्तमान तट के किनारे बनी है जहाँ आपके पास रेत है। वैसे, भूमध्य सागर के इस तट पर सिनाई प्रायद्वीप क्षेत्र से रेत बहकर आती है, जहाँ आपको ग्रेनाइट मिलता है जो बलुआ पत्थर में घिस जाता है। किसी भी दर पर, यहाँ हमारे तट के किनारे अब किर्ककर की एक से अधिक चोटियाँ हैं।

वे कठोर कैल्सीफाइड हैं, यह पहले ही कहा जा चुका है, बलुआ पत्थर। इसका मतलब यह है कि जब प्राचीन काल में पानी यहाँ बहता था, बरसता था, पश्चिम की ओर बहता था, नीचे की ओर जाता था, तो वह उन चोटियों द्वारा अवरुद्ध हो जाता था। और इसलिए इस तटीय मैदानी क्षेत्र का अधिकांश भाग प्राचीन काल में दलदली रहा होगा।

उन चीज़ों को तोड़ दिया गया है। दलदलों को सूखा दिया गया है। यह अब शानदार कृषि क्षेत्र है।

दरअसल, रोमनों ने इन चीज़ों को तोड़ना शुरू कर दिया। तो यह सिर्फ आधुनिक इजरायली नहीं थे जिन्होंने इस तरह का काम किया। जब हम विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्रों के बारे में बात करेंगे तो मेरे पास इसके बारे में कहने के लिए और भी बहुत कुछ होगा।

लेकिन हमारे उद्देश्यों के लिए, तटीय मैदानों के बारे में सोचें जो सांस्कृतिक रूप से हमारे पास मौजूद मैदानों के समतुल्य हैं, कुछ व्याख्यानों को पीछे लेते हुए, हमारे देश के पूर्वी तट के समुद्री तट पर, जहां यह एक तटीय मैदानी क्षेत्र है। आपके पास बड़े शहर हैं। आपके यहां भी बड़े शहर थे।

इस क्षेत्र में हमारे पलिशियों के बड़े नगर थे। उनके प्रकट होने से पहले ही, क्षेत्र में बड़े शहर थे, यानी क्षेत्र में बड़े शहर। हम इस बारे में थोड़ी देर बाद बात करेंगे कि वे दलदल के आसपास कैसे काम करते हैं।

तटीय मैदानी क्षेत्र से आगे बढ़ते हुए अब हम थोड़ा-थोड़ा ही सही, थोड़ा-थोड़ा ऊंचाई पर चढ़ रहे हैं। यहाँ शेफेला है। वह शब्द हिब्रू भाषा का शब्द है।

यह हिब्रू में शफल से आया है, जिसका अर्थ है ऊंचाई का कम होना या कम होना। और इसलिए ये तराई क्षेत्र हैं। कभी-कभी आपके अनुवादों में तलहटी शब्द का प्रयोग होगा, कभी-कभी तराई क्षेत्र का।

लेकिन अगर आप यहां खड़े होकर समुद्र की ओर देख रहे हैं, तो यह निचला क्षेत्र है। मैं आपको कुछ देर में तस्वीरें दिखाऊंगा। जैसा कि हम अपने पिछले मानचित्र से पहले ही देख चुके हैं, और जैसा कि आप इस पर देख सकते हैं, यहूदा का आर्केफ़ेला है।

यह हमारा यहूदा का जनजातीय क्षेत्र है। यह वही है जिसके बारे में हमने जोशुआ 19 में पढ़ा था। माउंट कार्मेल के निचले इलाकों में भी हमारा यही रंग दिखाई दे रहा है।

हमारे पास गलील का अर्चेफ़ेला भी है। हम अभी ट्रांसजॉर्डन मामले के बारे में चिंता नहीं करेंगे। पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ना जारी, तटीय मैदान, आर्केफ़ेला।

और अब हम यहाँ पहाड़ी देश में हैं। हमने इसका पर्याप्त उल्लेख किया है। हमने वर्षा छाया के बारे में बात की है।

यहाँ रिफ्ट वैली है। यहां ऊंचाई के संदर्भ में एक समझ पाने के लिए, हमें इस दरार की सराहना करने में मदद मिल सकती है। क्या आपको याद है कि जेरूसलम को कैसे खोजा गया था? मृत सागर के उत्तरी छोर पर जाएँ और लगभग 12 मील पश्चिम की ओर जाओ। वहाँ यरूशलेम है। ध्यान दें कि यह बिल्कुल किनारे पर है।

लेकिन वहां की ऊंचाई समुद्र तल से लगभग 2,500 फीट है। समुद्र तल से लगभग 2,500 फीट ऊपर। यहां, जब तक आप मृत सागर के उत्तरी छोर पर उतरते हैं, हम समुद्र तल से लगभग 1,300 फीट नीचे बात कर रहे होते हैं।

जब हम विजय के संबंध में होने वाली कुछ घटनाओं से निपटेंगे तो मैं उन आंकड़ों पर वापस आऊंगा। लेकिन अभी के लिए, जरा सोचिए, यह ऊंचाई में काफी गिरावट है। केवल रुचि के लिए, मृत सागर के उत्तरी छोर पर, न केवल आपके पास वह ऊंचाई है, जेरिको क्षेत्र के आसपास, समुद्र तल से लगभग 1,300 फीट नीचे है, बल्कि मृत सागर का पानी, जल स्तर भी है। मृत सागर, पानी की गहराई, मैं अच्छा कर रहा हूँ या नहीं, मृत सागर के उत्तरी छोर पर लगभग 1,200 से 1,300 फीट पानी की गहराई है।

और फिर, चूंकि हम अभी भी इस दरार घाटी की प्रभावशाली प्रकृति के बारे में सोच रहे हैं, उन्होंने यहां पानी के नीचे मौजूद तलछट में ड्रिल कोर भेजे हैं, और उन्होंने पाया है कि क्या आप इसके लिए तैयार हैं, 20,000 फीट से अधिक तलछट इससे पहले कि वे आधारशिला पर पहुँचें। तो हम पृथ्वी की सतह में एक विशाल, विशाल दरार के बारे में बात कर रहे हैं और लाखों वर्षों में वह भरती रही है और भरती रही है और क्षरण के रूप में भरती रही है। हम यहां ट्रांसजॉर्डन को भी देखते हैं, और फिर मानचित्र से दक्षिण की ओर, ठीक यहीं पर, हमारा क्षेत्र नेगेव कहा जाता है, जिसका हम अधिक विस्तार से अध्ययन करने जा रहे हैं।

हालाँकि, हमारे उद्देश्यों के लिए, ये वास्तव में ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर हमें नियंत्रण रखने की आवश्यकता है क्योंकि ये महत्वपूर्ण हैं। यहां एक क्रॉस-सेक्शन है जो हमें सापेक्ष उन्नयन के बारे में सोचने में मदद कर सकता है। सरल, एक साथ रखें, लेकिन यह सरल है।

यहाँ हमारा तटीय मैदान है, जो समुद्र तल के करीब है। शेफेला पर ध्यान दें, भले ही एक समय में यह एंटीक्लाइन और कटाव से पहले ऊंचा था, लेकिन अब, यह फिर से, हमारी केंद्रीय पर्वत श्रृंखला के विपरीत वास्तव में नीचे है। यरूशलेम में हमारा स्थान यहीं होगा।

यहां जंगल में हमारी बारिश की छाया है, और फिर समुद्र तल से काफी नीचे रिफ्ट घाटी, फिर से ट्रांसजॉर्डन और फिर पूर्वी रेगिस्तान। तो हमें यह देखने में मदद करने के लिए कि यह कैसा हो सकता है, इसमें एक छोटा सा टुकड़ा है। यहां इसका एक अधिक परिष्कृत संस्करण है, और मैं इसके साथ बहुत अधिक समय नहीं बिताऊंगा, बस हमें यह देखने में मदद करने के लिए, फिर से, तटीय मैदान, कुछ निचले प्रकार की पहाड़ियाँ।

वैसे, यहाँ एक निचला क्षेत्र है क्योंकि अगर हम अपने मूल भंडार के बारे में सोचें, तो हमारे पास कठोर चूना पत्थर, चाक, नरम चूना पत्थर था। चाक नरम चूना पत्थर की तुलना में नरम होता है, इसलिए यह इस शेफला खंड से भी अधिक दूर तक नष्ट हो जाएगा। उसके बारे में इतनी चिंता मत करो।

हम जैसे हैं वैसे अच्छा कर रहे हैं। जब हमारे यहां बारिश होती है, तो जाहिर तौर पर ऐसी जगह होगी जहां पानी या तो पूर्व की ओर बहेगा या पश्चिम की ओर बहेगा, और इसलिए इसका असर यहां होने वाली चीजों पर पड़ेगा क्योंकि इस स्थान पर भारी बारिश हो सकती है। यहाँ बिल्कुल भी बारिश नहीं हो रही है, और फिर भी प्रमुख जलधाराएँ यहूदिया के जंगल से होकर मृत सागर में आ रही हैं।

दरअसल, 2012 में कुछ लोगों की जान चली गई थी। वे वाडी कुमरान में थे, और दुख की बात है कि पहाड़ी इलाके में बारिश के तूफान से पानी का एक झोंका उन्हें बहा ले गया। मिट्टी के प्रकार पर कुछ बातें और फिर विभिन्न क्षेत्रों के चित्रों के आधार पर कुछ चित्र।

मैंने इसका पहले ही उल्लेख किया है। मैं इसे पर्याप्त नहीं कह सकता। यह लाल पृथ्वी है, और यह वह मिट्टी है जो हमारे कठोर चूना पत्थर से उत्पन्न हुई है।

तो उस मानचित्र के बारे में सोचें जिसे आप अभी देख रहे हैं। जिन स्थानों पर हमारे जनजातीय आवंटन हैं, उनमें से अधिकांश मानचित्र हरे थे, और इसलिए जब हमारे पास उस कठोर चूना पत्थर से मिट्टी का अपक्षय होता है, तो आपको बहुत अच्छी मिट्टी मिलती है। हमने पहले ही जलोढ़ का उल्लेख किया है, और मैंने आपको कुछ नाम दिए हैं जिनके बारे में आपको चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

टेरा रोज़ा, तुम्हें इसकी ज़रूरत है। रेडज़िना, ब्राउन फ़ॉरेस्ट और ब्राउन रेड सैंड्स के बारे में इतनी चिंता नहीं है, लेकिन जब भी आपके चारों ओर पानी बहने वाली मिट्टी होगी, तो आपको एक मिश्रण मिलेगा। लूस, जैसा कि हम पहले ही उल्लेख कर चुके हैं, हवा में उड़ा हुआ है।

इस क्षेत्र में मिट्टी के प्रकार के अलावा, जल स्रोतों के बारे में सोचने वाली अन्य बातें भी होंगी। स्पिंग्स, फिर से, ठीक शीर्ष पर, क्योंकि इस क्षेत्र का अधिकांश भाग यही है। आपके पास कठोर चूना पत्थर है, और जब आपके पास कठोर चूना पत्थर होता है, तो आपके नीचे उन कास्टिक संरचनाओं में पानी होता है, जो महान झरनों का निर्माण करता है।

जहाँ झरने नहीं थे, वहाँ लोगों ने कुएँ खोदे। आपको शायद नेगेव नामक क्षेत्र याद होगा, जिसके बारे में हम अब से दो व्याख्यानों में विस्तार से अध्ययन करने जा रहे हैं, इब्राहीम, जब वह नेगेव में रह रहा था, ने एक कुआँ खोदा था। इसहाक ने एक कुआँ खोदा।

पानी के अधिकार को लेकर पलिशतियों के साथ उनका झगड़ा हुआ। कुओं को कौन पकड़ सकता है, है न? इसलिए जल अधिकार वहाँ एक बड़ा मुद्दा है। जलस्रोत अपवाह।

यह आपको मूर्खतापूर्ण लग सकता है, लेकिन जब आप नेगेव जैसे क्षेत्र में रहते हैं, तो वहाँ ऐसे लोग रहते हैं जो सीखते हैं कि अपवाह को कैसे रोका जाए। हम नबातियों के बारे में बात करेंगे, जो पानी के बहाव को रोकने वाली चीजें बनाने में माहिर थे और इसलिए कृषि करते थे। अगली बात यहीं, वाडी और नाहल जल स्रोत नहीं हैं, लेकिन वे हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि जैसा कि मैंने संकेत दिया है, वे नदी धाराएं हैं जो आमतौर पर सूखी होती हैं।

वहाँ नदी का तल बेहतर है। नाहल हिब्रू शब्द है, वाडी अरबी शब्द है। दिलचस्प बात यह है कि उनका नाम इस बात पर निर्भर करता है कि क्या कुछ क्षेत्रों पर मुख्य रूप से जॉर्डन का नियंत्रण था, खासकर 1948 के बाद, या इज़राइल का।

तो उन दोनों नामों को जानें, क्योंकि जैसे ही हम विशिष्ट मानचित्रों को देखना शुरू करते हैं, मैं उन दोनों का उपयोग इस पर निर्भर करता हूँ कि यह विशेष शुष्क धारा कहां स्थित है। तो वाडी एक ऐसे क्षेत्र में होने जा रहा है जहां अरबी भूगोल के बारे में चर्चा की प्राथमिक भाषा थी। नाहल, जहां हिब्रू था।

जलसेतु, हमने कैसरिया नामक उस स्थान पर पानी लाने के लिए हेरोदेस महान ने जो किया उसका एक उदाहरण देखा है। यह पानी, जलसेतुओं को ले जाने का एक चैनल है। और फिर एक बार जब उन्होंने प्लास्टर बनाना सीख लिया, तो उन्होंने सीखा कि वे इन बड़े भूमिगत कंटेनरों को खोद सकते हैं, उन पर प्लास्टर कर सकते हैं, और फिर बारिश के मौसम के दौरान उन्हें भर सकते हैं, और यह टिकेगा क्योंकि वे ढके रहेंगे, वाष्पित नहीं होंगे। बहुत, जो शुष्क मौसम तक चलेगा।

इसलिए, उन क्षेत्रों में हौज अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं जहां झरनों या कुओं तक पहुंच नहीं है। बस थोड़ा और समसामयिक नोट, जब 1948-49 में यरूशलेम की घेराबंदी की गई थी, तो यरूशलेम में उन निजी संरचनाओं में से अधिकांश जो शायद पिछली सदी के भीतर बनाई गई थीं, उन घरों के नीचे कुंड थे, और वे हर साल उन कुंडों को भरते थे। वे अपनी छतों से एक को हटा देंगे और बारिश शुरू होने पर आपके द्वारा साफ किए जाने के बाद वे हौदों को भर देंगे।

यरूशलेम की उस घेराबंदी के दौरान, जब वहाँ रहने वाले लोगों के लिए पानी बंद कर दिया गया, तो वे लंबे समय तक अपने हौज के पानी पर रहे। खैर, इसे संक्षेप में बताने के लिए, तस्वीरों को देखने से पहले, पहाड़ी देश में झरने ही जल स्रोत थे। उनके पास शानदार मिट्टी थी।

मैं इस पर जोर दे रहा हूँ क्योंकि मैं आपको यह नहीं बता सकता कि यह भूमि कितनी अच्छी जगह थी। प्राकृतिक सीढ़ीदार होने का मतलब यह था कि वे निश्चित रूप से वहाँ खेती कर सकते

थे। वे जॉन डीयर ट्रैक्टर नहीं बनाते थे, लेकिन वे अच्छी खेती कर सकते थे, विशेष रूप से बेलें और जैतून के पेड़ उगा सकते थे।

खड़ी वी-आकार की घाटियों के साथ, जैसा कि आप एक पल में तस्वीरों में देखेंगे, यह काफी रक्षात्मक है। इन वी-आकार की घाटियों के साथ सेनाओं को ऊपर, नीचे, ऊपर, नीचे, ऊपर, नीचे लाना कठिन है। क्योंकि यह सच था, यदि आप उत्तर-दक्षिण या पूर्व-पश्चिम की यात्रा करने जा रहे थे, तो आपको एक सतत पर्वतमाला ढूंढनी होगी।

अब उत्तर-दक्षिण क्षेत्र में, आंतरिक रूप से इसका मतलब निश्चित रूप से होगा, जैसा कि हम अपने स्थलाकृतिक मानचित्र को देख रहे हैं, आप उस रिज उत्तर-दक्षिण मार्ग के साथ चलेंगे या ड्राइव करेंगे या जो भी करेंगे। लेकिन पूर्व-पश्चिम जाना थोड़ा मुश्किल था। आपको एक पूर्व-पश्चिम पर्वतमाला ढूंढनी थी जो वाडिस या नहल्स के बीच में जाती थी, जो सीधे उस केंद्रीय पर्वतीय पर्वत क्षेत्र से लेकर पूर्व में जॉर्डन घाटी तक या पश्चिम में तट तक जाती थी।

एक कटक शुरू हो सकता है, लेकिन यह जारी नहीं रह सकता है। तो वो भी बहुत सावधानी से किया गया। आइए यहां थोड़ा सा स्मरण दिलाएं और फिर कुछ तस्वीरें।

दो मौसम, संक्रमणकालीन महीने, विशेष रूप से वसंत ऋतु के संक्रमणकालीन महीने, तभी हमारी खामसीन, रेगिस्तान से आने वाली शुष्क, भयंकर, गर्म हवा आती थी। जलवायु परिवर्तन, उत्तर में अधिक वर्षा, अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अधिक वर्षा, और फिर हमने वर्षा छाया के कई अलग-अलग संदर्भों में साक्ष्य भी देखे हैं। जैसे ही हम इनमें से कुछ चीजों को देखने के दृश्य तरीके से चित्रित करते हैं, बस कुछ प्रतिनिधि स्लाइडें होती हैं।

यह अशकलोन नगर है; मुझे यह कहना चाहिए कि अशकलोन शहर एक प्रमुख फ़िलिस्तीन शहर है, लेकिन इसकी निरंतरता इससे भी आगे रही है, क्रूसेडर काल में विशाल, और फिर एक समकालीन शहर भी। ध्यान दें कि जैसे-जैसे हम अंदर की ओर बढ़ते हैं, उस योजनाबद्ध क्रॉस-सेक्शन के बारे में सोचें जो मैंने आपके लिए किया था। यहाँ शेफेला है। दूसरे शब्दों में, तराई क्षेत्र।

हम समतल तटीय मैदानी क्षेत्र से यहीं इन निचली पहाड़ियों में आ गए हैं। यदि आप पृष्ठभूमि में दूर से देखते हैं, तो इस बिंदु पर यह बहुत अधिक ऊंचा नहीं दिखता है क्योंकि यह बहुत दूर क्षितिज पर है, लेकिन यह हमारी उत्तर-दक्षिण माउंटेड रेंज है। वह पहाड़ी देश होगा, लेकिन यहाँ, आप जानते हैं, यह काफी सुलभ है।

यह घाटी कुछ ऐसी है कि आप थोड़ा आगे-पीछे जा सकते हैं। पता चला कि जब डेविड गोलियथ से लड़ रहा था, तो यह इसी इला घाटी में हुआ था। पलिशती वहीं से आ रहे थे जहाँ मैं इस समय खड़ा हूँ।

इस्म्राएली वहाँ ऊपर हैं। बेथलहम वहाँ ऊपर है। डेविड के पिता, जेसी, वहाँ हैं।

उनके सारे झुंड वहाँ मौजूद हैं। डेविड उनकी देखभाल कर रहा है। डेविड के भाई यहीं इला घाटी के अंत में लड़ रहे हैं।

आप देख सकते हैं कि इस पहाड़ी क्षेत्र में रहने वाले लोग पलिशती सेना के इस तरह से अतिक्रमण करने से थोड़े घबराए हुए क्यों होंगे, और यह कहता है कि पलिशती सोको और अजेका के बीच शिविर में हैं, जहां हम खड़े हैं। यहाँ पहाड़ी देश ही है, और आपको बस उस पर एक नज़र डालने की ज़रूरत है, और आप देखेंगे कि इसे बड़ी सेनाओं या किसी अन्य द्वारा आसानी से पार नहीं किया जा सकता है। सोरोक घाटी, जिसके बारे में हम बाद में विस्तार से चर्चा करेंगे, वास्तव में यरूशलेम शहर के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षा है।

सोरोक घाटी प्रणाली, केवल एक घाटी नहीं है, इसमें बाहर निकलने वाले सभी प्रकार के छोटे जाल हैं। यह यरूशलेम के ठीक पश्चिम में है, और इसलिए, वहाँ एक प्राकृतिक रक्षा प्रणाली का प्रावधान है। इसी तरह, यरूशलेम के पूर्व में, आपके पास पूर्वी पहाड़ी देश है, इसलिए दूसरी स्लाइड हमारे रिज क्षेत्र के पश्चिम में थी। यह पूर्व की ओर है, और फिर, इसे पार करना थोड़ा अधिक कठिन है जब तक कि आप रिज मार्ग के ठीक शीर्ष पर न हों।

और फिर यहाँ हमारे पास जॉर्डन घाटी है। यदि आप ध्यान से देख रहे हैं, तो आप सोच रहे हैं, अब एक मिनट रुकें, यह हरा है, और आप सही हैं, यह है। यह एक बहुत ही असामान्य तस्वीर है क्योंकि, अगर आपको सही से याद है, तो यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां प्रति वर्ष लगभग चार इंच बारिश होती है, लेकिन अभी बारिश हुई है, और इसलिए, हमारे पास उस क्षेत्र में बहुत सारी वनस्पति है।

वैसे, हम यह विशेष टेप 2020 के मार्च में बना रहे हैं। इस साल इज़राइल में बहुत बारिश हुई है। जिन लोगों को मैं जानता हूँ वे वहां कह रहे हैं कि वे जंगल क्षेत्र, वर्षा छाया क्षेत्र में जा रहे हैं, वे वहां ऐसे फूल देख रहे हैं जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखे थे।

1992 में, जब मार्च में यरूशलेम में 16 इंच बर्फबारी हुई, जो मई में भी असामान्य है, लोगों ने उस क्षेत्र में फूल देखे जिन्हें कुछ मूल निवासियों ने कहा कि उन्होंने 50 वर्षों से नहीं देखा था। तो आप देख सकते हैं, बारिश अविश्वसनीय अंतर लाती है, यहां तक कि जॉर्डन घाटी में भी। ठीक है, हम अभी के लिए यहीं रुकेंगे, बस थोड़ा सा ध्यान दें कि हमने अब अपना परिचयात्मक काम कर लिया है, हमने भूगोल के लिए स्रोत तैयार कर लिए हैं, हमने पुरातत्व पर ध्यान केंद्रित कर लिया है, हमने भूविज्ञान और स्थलाकृति की समझ प्राप्त हुई जो संपूर्ण भूमि को आकार देती है।

इसलिए अब से, हम क्षेत्रीय अध्ययन कर रहे हैं, भूमि और पाठ पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं क्योंकि वे अधिक केंद्रित तरीके से प्रभावित होते हैं। अभी के लिए पर्याप्त।

यह बाइबिल अध्ययन के परिचय पर अपने शिक्षण में डॉ. एलेन फिलिप्स हैं। यह सत्र 3 है, मध्य पूर्व का भूगोल।